SET - 03

Roll No. | | | | | | |

Candidates must write the Set No on the title page of the answer book.

SAHODAYA PRE BOARD EXAMINATION – 2023-24

- Please check that this question paper contains 15 printed pages.
- Set number given on the right-hand side of the question paper should be written on the title page of the answer book by the candidate.
- Check that this question paper contains 18 questions.
- Write down the Serial Number of the question in the left side of the margin before attempting it.
- 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed 15 minutes prior to the commencement of the examination. The students will read the question paper only and will not write any answer on the answer script during the period. Students should not write anything in the question paper.

CLASS – X

Sub.: HINDI (085)

Time Allowed: 3 hours **Maximum Marks: 80**

सामान्य निर्देश : -

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं – खंड 'अ' और 'ब'।
2. खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित **45** वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल **40** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
4. निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
5. दोनों खंडों के कुल **18** प्रश्न हैं । दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
6. यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमश: लिखिए।

खंड-अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – [1×5=5]

अहिंसा का अर्थ केवल इतना नहीं है कि हम दूसरे प्राणियों पर दया करें । उन्हें न मारें और किसी को कष्ट न पहुँचाएँ । अहिंसा में मानवीय संवेदनाएँ, जीवन-मूल्य, आदर्श और सात्विक वृत्तियाँ आदि बहुत कुछ शामिल हैं । अहिंसा सदाचार और विचारों की शुद्धता एवं नैतिक सूत्रों का आधार है, सर्वधर्म समभाव की आधारशिला है, समता, सामाजिक न्याय और मानव-प्रेम की प्रेरक शक्ति है । सच्ची अहिंसा वह है, जहाँ इंसान के बीच भेदभाव न

हो, सारे अंतर हट जाएँ । असल में अहिंसक जीवन जीना बहुत कठिन है, बहुत बड़ी साधना है । महात्मा गांधी ने कहा है, 'अहिंसा और सत्य का मार्ग जितना सीधा है, उतना ही तंग भी । यह तलवार की धार पर चलने के समान है ।'

'भगवान महावीर ने दूसरों के दुख दूर करने को 'अहिंसा-धर्म' कहा है । उनका जीवन आत्म-साधना और सामाजिक मूल्यों का प्रतिष्ठा दिलाने में व्यतीत हुआ । उनको महसूस हुआ कि आर्थिक असमानता और वस्तुओं का अनावश्यक व अनुचित संग्रह सामाजिक जीवन में असंतुलन पैदा करता है । ऐसी लोभ-वृत्तियों के कारण एक इंसान दूसरे इंसान का शोषण करता है । इसलिए उन्होंने अपरिग्रह पर जोर दिया ताकि समाज से आर्थिक असमानता मिट सके ।

(i) अहिंसा आधार नहीं है –

(क) सात्विक वृत्तियों और आदर्श जीवन का

(ख) वैचारिक शुद्धता और नैतिक सूत्रों का

(ग) प्राणियों पर दया और मानवीय व्यवहार का

(घ) धार्मिक भेदभाव और आर्थिक असमानता का

(ii) सच्ची अहिंसा का आशय है –

(क) मन, वाणी और शरीर की पवित्रता

(ख) निर्धनों को दान देना

(ग) सीधा, सँकरा और पैना मार्ग

(घ) मंदिर जान और भजन-कीर्तन करना

(iii) भगवान महावीर के अनुसार सामाजिक जीवन में असंतुलन का कारण था –

(क) अर्थ का पक्षपातपूर्ण बंटवारा

(ख) वस्तुओं का अनावश्यक व अनुचित संग्रह

(ग) मानव में द्वेष एवं ईर्ष्या की प्रवृत्ति

(घ) मानव के शोषण एवं प्रताड़न की चतुराई

(iv) निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द गद्यांश में दिए गए 'अपरिग्रह' शब्द के सही अर्थ को दर्शाता है –

(क) अधिक धन ग्रहण करना

(ख) निरर्थक धन का त्याग

(ग) आवश्यकता से अधिक धन का त्याग

(घ) धन-संग्रह करने में लापरवाही

(v) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढिए, उसके बाद दिए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए ?

कथन (A) : अहिंसा सदाचार और विचारों की शुद्धता का आधार है ।

कारण (R) : अहिंसा के मार्ग पर चलना कठिन कार्य है ।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है ।

(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है ।

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है ।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – [1×5=5]

साहित्य की शाश्वतता का तात्पर्य है-हर काल एवं परिस्थिति में अपनी उपयोगिता बनाए रखना एवं प्रासंगिकता को कम न होने देना। साहित्य की शाश्वत का प्रश्न एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। क्या साहित्य शाश्वत होता है ? यदि हाँ, तो किस मायने में ? क्या कोई साहित्य अपने रचना काल के सौ वर्ष बीत जाने पर भी उतना ही प्रासंगिक रहता है, जितना अपनी रचना के समय था ? अपने समय या युग का निर्माता साहित्यकार क्या सौ वर्ष की परिस्थितियों का भी युग-निर्माता हो सकता है। समय बदलता रहता है परिस्थितियों और भाव बोध बदलते हैं, साहित्य बदलता है और इसी के समानांतर पाठक की मानसिकता और अभिरूचि भी बदलती है। अत: कोई भी कविता अपने सामयिक परिवेश के बदल जाने पर ठीक यही उत्तेजना पैदा नहीं कर सकती, जो उसने अपने रचना काल के दौरान की होगी। कहने का तात्पर्य यह है कि एक विशेष प्रकार के साहित्य के श्रेष्ठ अस्तित्व मात्र मे वह साहित्य हर युग के लिए उतना ही विशेष आकर्षण रखे, यह आवश्यक नहीं है। यही कारण है कि वर्तमान युग में इंगला पिंगला,

सुषुम्ना, अनहद, नाद आदि पारिभाषिक शब्दावली मन में विशेष भावोत्तेजन नहीं करती। साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उसके नित्य आकर्षण का आधार नहीं है। उसकी श्रेष्ठता का युगयुगीन आधार है, वह जीवन-मूल्य तथा उनकी अत्यंत कलात्मक अभिव्यक्तियों जो मनुष्य की स्वतंत्रता तथा उच्चतर मानव विकास के लिए पथप्रदर्शक का काम करती है। पुराने साहित्य का केवल वही श्री सौंदर्य हमारे लिए ग्राह्य होगा, जो नवीन जीवन-मूल्यों के विकास में सक्रिय सहयोग दे अथवा स्थिति रक्षा में सहायक हो। कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता को अस्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि साहित्यकार निरपेक्ष होता है और उस पर कोई भी दबाव आरोपित नहीं होना चाहिए, किंतु वे भूल जाते हैं कि साहित्य के निर्माण की मूल प्रेरणा मानव-जीवन में ही विद्यमान रहती है। जीवन के लिए ही उसकी सृष्टि होती है। तुलसी दास जब स्वांत: सुखाय काव्य-रचना करते हैं, तब अभिप्राय यह नहीं रहता कि मानव-समाज के लिए इस रचना का कोई उपयोग नहीं है, बल्कि उनके अंत: करण में संपूर्ण संसार की सुख भावना एवं हित कामना सन्निहित रहती है जो साहित्यकार अपने संपूर्ण व्यक्तित्व का व्यापक लोक जीवन में सन्निविष्ट कर देता है, उसी के हाथों स्थायी एवं प्रेरणाप्रद साहित्य का सृजन हो सकता है।

(i) साहित्य किस श्रेष्ठता का निर्धारण करता है?

(क) व्यक्ति को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बनाना

(ख) लोक व्यवहार की पराकाष्ठा पर प्रतिक्रिया देना

(ग) सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत को बाधित करना

(घ) पथ-प्रशस्त कर मूल्यों का समावेशन करके कला भाव जगाना

(ii) नवीन जीवन-मूल्यों के विकास में सक्रिय सहयोग के आशय है-

(क) स्वांत सुखाय की कामना कर आगे बढ़ना

(ख) श्री सौंदर्य को प्राथमिकता देकर आगे बढ़ना

(ग) नवाचार व मूल्यों को आत्मसात कर आगे बढ़ना

(घ) वर्तमान में साहित्य के माध्यम से आगे बढ़ना

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

(i) समय के साथ-साथ साहित्य और पाठकों की मानसिकता और अभिरूचि भी बदलती है।

(ii) साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उसके आकर्षण का आधार है।

(iii) कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं।

उपयुक्त कथनों में से कौन-सा / कौन-से सही है

(क) केवल (i)

(ख) (ii) और (iii)

(ग) (i) और (ii)

(घ) (i) और (iii)

(iv) कोई साहित्य अपने रचनाकाल के सौ वर्ष बीत जाने पर भी उतना ही प्रासंगिक रहता है कथन के आधार पर उचित तर्क है

(क) साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उनके नित्य आकर्षण का आधार नहीं है

(ख) संपूर्ण साहित्य का स्थायी व स्पष्ट आधार नहीं है

(ग) लोक कल्याणकारी स्थायी एवं प्रेरणाप्रद साहित्य होने की दशा में

(घ) पारिभाषिक शब्दावली द्वारा स्पष्टीकरण करने की दशा में

(v) 'साहित्यकार निरपेक्ष होता है और उस पर कोई भी दबाव आरोपित नहीं होना चाहिए।' कथन किस मनोवृत्ति को प्रकट करता है-

(क) सामाजिक कार्यकर्ताओं की विचारधारा

(ख) साहित्य की शाश्वत क्रियाशील विचारधारा

(ग) समाज के प्रति वचनबद्धता का अभाव

(घ) निरपेक्ष व्यक्तियों की सकारात्मकता

3. निर्देशानुसार पदबंध पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।[1×4=4]

(i) <u>वे लोग</u> पानी पीने आते हैं। रेखांकित पदबंध का भेद बताइए -

(क) क्रिया पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध

(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

(ii) <u>नन्हा बच्चा अपनी</u> माँ की गोद में बैठ गया। रेखांकित पदबंध का भेद बताइए -

(क) क्रिया-विशेषण पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध

(ग) क्रिया पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

(iii) कथन (A) रमन प्रतिदिन ध्यानपूर्वक कार्य करता है।

कारण (R) कथन (A) का रेखांकित पदबंध विशेषण कार्य करने के कारण विशेषण पदबंध है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं

(ख) कथन (A) सहीं है, लेकिन कारण (R) गलत है

(ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है

(घ) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता है

(iv) क- तुम कभी सफल नहीं हो सकते। (i) सर्वनाम पदबंध

ख - शरारती बच्चों में से कई बच्चे कक्षा से बाहर चले गए। (ii) क्रिया पदबंध

ग - सीता ने पूछा क्या आप मेरे घर चल कर खेलना पसंद करेगी। (iii) संज्ञा पदबंध

वाक्यों में रेखांकित वाक्यांश के आधार पर पदबंध और उनके सही भेद से मिलान कीजिए।

(क) क - ii ख - iii ग-i

(ख) क - i ख - ii ग-iii

(ग) क - ii ख - ii ग-ii

(घ) क - i ख - iii ग-i

(v) एक सिपाही बहुत धीरे चला आ रहा है। रेखांकित पदबंध का भेद बताइए -

(क) क्रिया-विशेषण पदबंध

(ख) संज्ञा पदबंध

(ग) क्रिया पदबंध

(घ) विशेषण पबदंध

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । [1×4=4]

(i) मैंने उसे बहुत समझाया पर वह न मानी । इस वाक्य का सरल वाक्य होगा -

(क) मैंने उसे बहुत समझाया परंतु वह न मानी

(ख) मेरे समझाने पर भी वह न मानी ।

(ग) मैंने उसे बहुत समझाया और वह न मानी ।

(घ) उपरोक्त में कोई नहीं ।

(ii) वे बोलते जा रहे थे और पिताजी का चेहरा गर्व से बदलता जा रहा था । रचना के आधार पर वाक्य भेद हैं-

(क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य (ग) संयुक्त वाक्य (घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य हैं -

(क) तुम सच बोलते हो, इसलिए महान हो

(ख) वह जूते खरीदने के लिए बाजार गया ।

(ग) उसने मूर्ति को देखा और रुक गया ।

(घ) जो छात्र अच्छे होते हैं, वे गुरु की आज्ञा मानते हैं ।

(iv) मूर्तिकार कोशिश करके असफल रहा होगा । इस वाक्य को मिश्र वाक्य में रुपांतरण करने से होगा -

(क) यद्यपि मूर्तिकार असफल रहा, फिर भी उसने कोशिश की होगी

(ख) मूर्तिकार ने कोशिश की होगी ओर असफल रहा होगा ।

(ग) मूर्तिकार ने कोशिश किया इसलिए असफल रहा

(घ) इनमें से कोई नहीं ।

(iv) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए -

कॉलम 1	कॉलम 2
1. उसने प्रयास नहीं किया इसलिए असफल हो गया ।	(i) मिश्र वाक्य
2. मजदूर को जी तोड़ परिश्रम करने पर भी लाभ नहीं मिलता है ।	(ii) संयुक्त वाक्य
3. जब मैने बालक को रोते हुए देखा तो उसने रोने का कारण पूछा ।	(iii) सरल वाक्य

विकल्प

(क) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii) (ख) 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)

(ग) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i) (घ) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)

5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए –[1×4=4]

(i) समास का शाब्दिक अर्थ क्या होता है?

(क) संक्षेप (ख) विस्तार (ग) विग्रह (घ) विच्छेद

(ii) देवासुर में कौन सा समास है?

(क) द्वंद्व समास (ख) द्विगु समास (ग) बहुब्रीहि समास (घ) कोई नहीं

(iii) यथाशक्ति' शब्द के लिए सही समास - विग्रह और समास का चयन कीजिए –

(क) यथा और शक्ति - द्वंद्व समास (ख) यथा की शक्ति – तत्पुरुष समास

(ग) शक्ति के अनुसार – अव्ययीभाव समास (घ) यथार्थ शक्ति का धनी – कर्मधारय समास

(iv) 'दहीबड़ा' शब्द का सही विग्रह है?

(क) दही का बड़ा (ख) दही से बड़ा

(ग) दही में डूबा हुआ बड़ा (घ) दही के साथ बड़ा

(v) निम्नलिखित युग्मों में से कौन - से सही सुमेलित नहीं है -

(क) कनकटा – द्वन्द्व समास (ख) चक्रपाणि – बहुब्रीहि समास

(ग) दोपहर – द्विगु समास (घ) कर्म निपुण – अधिकरण तत्पुरुष समास

6. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए - [1×4=4]

(i) सफलता पाने के लिए बहुत ..... पड़ते हैं। रिक्त स्थान की पूर्त्ति सटीक मुहावरे से कीजिए।

(क) गीदड़ भभकी थी (ख) पापड़ बेलने

(ग) कूट-कूट कर भरी (घ) तिनके का सहारा

(ii) मोहन को चकमा देना सरल काम नहीं है, उसने तो..... रखा है। रिक्त स्थान की पूर्त्ति सटीक मुहावरे से कीजिए।

(क) एक घाट का पानी पीना (ख) आसमान सिर पर उठाना

(ग) घाट-घाट का पानी पीना (घ) आपे से बाहर होना

(iii) अमित पर अमीर बनने का ..... था। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्त्ति कीजिए।

(क) भूत सवार होना (ख) सूरज को दीपक दिखाना

(ग) सिक्का जमाना (घ) शान में बट्टा लगता

(iv) 'हाथों में लेना' का अर्थ है।

(क) अच्छा भाग्य (ख) अच्छी वस्तु प्राप्त होना

(ग) भाग्यवश अच्छी वस्तु प्राप्त होना (घ) काम की जिम्मेदारी स्वीकार करना

(v) छात्रों को बदमाशी करते देख अध्यापक ने उन्हें.....। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्त्ति कीजिए।

(क) हाथों-हाथ रखना (ख) अंधा बना देने

(ग) सिक्का जमाना (घ) आड़े हाथों लेना

(vi) व्यर्थ ..... से कुछ नहीं होगा, सच्चाई जानों। रिक्त स्थान की पूर्त्ति सटीक मुहावरे से कीजिए।

(क) खून जलाना (ख) दल-बदलू

(ग) गोबर गणेश (घ) भेड़िया धसान

7. पठित पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए – **[1×2=2]**

(i) तोप पर बैठी चिड़ियाँ हमें क्या संदेश देती है?

(क) जीवन नश्वर और क्षणभंगुर है

(ख) बाहरी आक्रांताओं से सावधान रहना चाहिए

(ग) विरासत में मिली चीजों को सँभालकर रखना चाहिए

(घ) आत्याचारी का अंत एक न एक दिन अवश्यंभावी है

(ii) निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :

(i) विपदा के समय ईश्वर अपने भक्तों की स्वयं ही सहायता करते हैं।

(ii) कवि ईश्वर से अपने कर्मों के सकारात्मक परिणाम की अपेक्षा रखते हैं।

(iii) विपरीत परिस्थितियों में आत्मबल और पुरुषार्थ का साथ नहीं छोड़ना चाहिए।

(iv) विपरीत परिस्थितियों में ईश्वर के अस्तित्व पर संदेह नहीं करना चाहिए।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से कथन 'आत्मत्राण' कविता से प्राप्त संदेश को दर्शाते हैं?

(क) (i) और (ii) (ख) (ii) और (iii) (ग) (iii) और (iv) (घ) (i) और (iv)

8. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में से सही विकल्प का चयन कीजिए । [1×5=5]

उड.गया ,अचानक लो, भूधर

फडक़ा अपार वारिद के पर !

रव -शेष रह गए हैं निर्झर !

है टूट पडा भू पर अंबर !

धँस गए धरा में सभय शाल !

उठ रहा धुआँ ,जल गया ताल !

-यों जलद-यान में विचर -विचर

था इंद्र खेलता इद्रंजाल ।

(i) पर्वत प्रदेश में पावस ऋतु में कौन -कौन नजऱों से ओझल हो गए ?

(क)पर्वत (ख)झरने (ग) शाल वृक्ष (घ)उपर्युक्त सभी

(ii) कवि ने पर्वत के पंख को कैसा बताया है ?

(क) काला एवं सफेद (ख) काजल के समान काला

(ग) पारे के समान सफेद व चमकीला (घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) रव शेष रह गए हैं निर्झर – में किसके रव की बात कही गई है ?

(क) चिड़ियों की (ख) नदियों की

(ग) झरनों की (घ) ताल की

(iv) उड़ गया, अचानक लो, भूधर -में अचानक शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है ?

(क) बिजली की चमक के लिए (ख)बादल के लिए

(ग) धरती के लिए (घ) पर्वत के लिए

(v) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए -

(a) पर्वतीय इलाकों में बारिश के दृश्य अति मनमोहक होते हैं ।

(b) बारिश के मौसम में पर्वतीय क्षेत्रों में जंगलों का जलना एक आम बात है ।

(c) पौराणिक कथाओं के अनुसार इंद्र बादलों के राजा हैं ।

(d) अत्यधिक बारिश पर भी शाल के वृक्ष निडरता से खड़े रहते हैं ।

(e) पर्वतीय प्रदेश में पावस ऋतु में बादलों का पंख लगाकर पर्वत ओझल हो जाते हैं

उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही नहीं हैं ?

(क) a और b (ख) b, c और d

(ग) a, d और e (घ) b और d

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए – [1×2=2]

(i) निम्मलिखित में से कौन-से वाक्य 'झेन की देन' पाठ की शिक्षा को दर्शाते हैं-

(i) यह पाठ हमें अत्यधिक व्यस्त जीवन शैली और उसके दुष्परिणामों से अवगत करता है।

(ii) मनुष्य को हमेशा अधिक-से-अधिक काम करना पड़ता है।

(iii) जापान में लोग आराम से काम करते हैं।

(iv) अधिक तनाव से मनुष्य पागल हो जाते हैं।

(क) केवल (i) (ख) (i) और (ii)

(ग) केवल (iv) (घ) (i) और (iv)

(ii) परीक्षा में पास हो जाने पर भी छोटे भाई की खुशी आधी हो गई क्योंकि -

(क) उसे भेंट नहीं मिली थी। (ख) उसे साहब से डाँट पड़ी थी।

(ग) उसे तेज बुखार था । (घ) बडे भाई साहब पुन: फेल होने पर रो पडे थे ।

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए –[1×5=5]

ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफी कुछ बदल दिया है। वर्सोवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौडी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया हैं। इनमें से कुछ शहर छोड़ कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं, उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है। इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया है। बच्चे अभी छोटे हैं। उनके खिलाने-पिलाने की जिम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है। वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं। और क्यों ना आएँ-जाएँ आखिर उनका भी घर है। लेकिन आने-जाने से हर बार परेशानी भी होती है। वह कभी भी किसी चीज को को गिराकर तोड़ देते हैं। कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्जा

गालिब को सताने लगते हैं। इस रोज-रोज की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है। उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है। खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात-भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं। मगर अब ना सोलेमान (सुलेमान) है जो उनकी जुबान को समझ कर उनका दुख बाँटे, न मेरी माँ है, जो इनके दुखों में सारी रात नमाजों में काटे।

(i) पक्षी बस्तियों से क्यों चले गए?

(क) पेड़ काटने के कारण (ख) अपना आश्रय छिन जाने के कारण

(ग) प्रदूषण के कारण (घ) उपर्युक्त सभी कथन सत्य है

(ii) बस्तियों को बसाने के लिए मनुष्य ने क्या किया?

(क) जंगल काटे (ख) पशुओं को मारा

(ग) कंक्रीट पैदा किया (घ) पैसा लगाया

(iii) पशु-पक्षी कहाँ मंडराते रहते हैं?

(क) बस्तियों के आस-पास (ख) पहाडों पर

(ग) जंगलों में (घ) कहीं नहीं

(iv) कबूतरों का आना बंद करने के लिए पत्नी ने क्या किया?

(क) दीवार बनवा दी (ख) जाली लगवा दी

(ग) पेड कटवा दिया (घ) इनमें से कोई नहीं

(v) खिडकी के बाहर उदास कौन बैठा था ?

(क) लेखक (ख) कबूतर

(ग) लेखक के पिता (घ) कबूतर के बच्चे

खंड-ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए – [3×2=6]

(क) वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था, कैसे? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) उसे जहाँ विवाह की निषेध परंपरा का क्षोभ था वहीं अपनी असहायता पर खीझ । वामीरो का दु:ख उसे और गहरा कर रहा था । उसे मालूम न था कि क्या कदम उठाना चाहिए?' – इस कथन में निहित तताँरा की मनोदशा को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) टी-सेरेमनी की तैयारी और उसके प्रभाव पर चर्चा कीजिए ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए – [3×2=6]

(क) 'कर चले हम फिदा'नामक गीत के आधार पर सैनिक जीवन की चुनौतियों का वर्णन कीजिए। सैनिकों का हौसला बढ़ाने के लिए आप क्या करेंगे ?

(ख) तोप कविता की पृष्ठभूमि में 'तोप'की अतीत में भूमिका और उसकी वर्तमान स्थिति का वर्णन कीजिए। कवि को क्यों कहना पडा-

"कितनी ही बड़ी हो तोप
एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद।''

(ग) आत्मत्राण कविता में कवि की प्रार्थना से क्या संदेश मिलता है ? अपने शब्दों में लिखिए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दिजिए – [3×2=6]

(क) अंतत: हम इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि जीते जी अपनी जायदाद का स्वामी किसी और को बनाना ठीक नहीं होगा । चाहे वह अपना भाई या मंदिर का महंत ही क्यों न हो । अपने जीते जी ही अपनी धन संपत्ति हड़पने के लिए रचे जा रहे षड्यंत्र और दाँव-पेंच देखकर हरिहर काका पर जो बीती होगी, उसे अपनी कल्पना के आधार पर लिखिए ।

(ख) लेखक को अपना ननिहाल क्यों पसंद था ? सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'टोपी शुक्ला' पाठ के माध्यम से लेखक ने मानवीय संबंधो की कौन-सी सच्चाई उजागर की है । स्पष्ट कीजिए ।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए – [5×1=5]

(क) आज की आवश्यकता-संयुक्त परिवार

संकेत बिंदु

- एकल परिवार का बढ़ता चलन
- एकल परिवार और वर्तमान समाज
- संयुक्त परिवार की आवश्यकता
- बुजुर्गों की देखभाल
- एकाकीपन को जगह नहीं।

(ख) मोबाइल फोन: सुखद व दुखद भी

संकेत बिंदु

• विज्ञान की अद्भुत खोज

• संचार क्षेत्र में क्रांति

• सस्ता और सुलभ साधन

• लाभ और हानियाँ।

(ग) सबको भाए मधुर वाणी

संकेत बिंदु

• मधुर वाणी सबको प्रिय

• मधुर वाणी एक औषधि

• मधुरवाणी का प्रभाव

• मधुर वाणी की प्रासंगिकता।

15. किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए – [5×1=5]

(क) हिंसा प्रधान फिल्मों के समाज पर पड़ते दुष्प्रभाव पर अपने विचार प्रकट करते हुए 'अमर उजाला' समाचार पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए ।

अथवा

(ख) अपने नगर के स्वास्थ्य अधिकारी को चारों ओर व्याप्त गंदगी, उसके दुष्परिणाम और उससे छुटकारा पाने के उपायों के बारे में बताकर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए ।

16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए – [4×1=4]

(क) आप 'महिला समिति' की अध्यक्ष रचना शास्त्री हैं और समिति के सभी सदस्यों के साथ 'नारी सुरक्षा' के संदर्भ में एक बैठक करना चाहती हैं । इसकी सूचना लगभग 80 शब्दों में लिखिए ।

अथवा

(ख) पुलिस थाना सिविल लाइंस, लुधियाना के थानाध्यक्ष की ओर से एक सूचना-पत्र लगभग 80 शब्दों में लिखिए, जिसमें नगरवासियों को शहर में निंरतर बढ़ रही वाहन चोरियों के प्रति सतर्क किया गया हो ।

17. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए । [3×1=3]

(क) प्रदूषण से बचने के लिए जनहित में जारी एक विज्ञापन पर्यावरण विभाग की और से तैयार कीजिए ।

अथवा

(ख) अपने विद्यालय में नए सत्र में प्रवेश हेतु विज्ञापन तैयार कीजिए ।

18. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में लेखन कीजिए । [5×1=5]

(क) आपके शहर में सभी प्रकार के खाद्य पदार्थों में मिलावट का धंधा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। अपने राज्य के खाद्य-मंत्री को dfpd@gov.in पर एक ईमेल लिखकर इस समस्या के प्रति उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

अथवा

(ख) दिए गए संकेत बिंदु के अनुसार लघु कथा लिखिए और उचित शीर्षक दीजिए ।

संकेत – (आलसी लडक़ा, पैसों से भरा एक थैला, बिना प्रयास के ही इतने सारे पैसे, व्यर्थ खच, कार्य करने की कोई आवश्यकता ही नहीं, कद्र और उपयोगिता)

◆◆◆